Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-172 कानपुर, सोमवार 28 अगस्त 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, महोबा, बांदा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

सब्जियों की उत्पादन तकनीकी एवं विपणन पर कृषक प्रशिक्षण का समापन

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम अरशदपुर विकासखंड मैथा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को गोभी वर्गी सब्जियों के उत्पादन तकनीक एवं उसका विपणन विषय पर प्रशिक्षण दिया उन्होने बताया कि गोभी वर्गीय सब्जी में विशेष कर फूलगोभी एवं पत्ता गोभी का विशिष्ट स्थान है शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक पोषक तत्व जैसे विटामिन ए एवं सी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट एवं अन्य खनिज पदार्थ की पूर्ति फूलगोभी एवं पत्ता गोभी से हो जाती है।जो संतुलित आहार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है डॉक्टर सिंह ने बताया कि किसान भाई इस फसल की उत्पादन तकनीक को अपनाकर अपनी आमदनी कम लागत में बढ़ा सकते हैं इस मौके पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को संबोधित किया कि फूलगोभी के फूल को काटकर बेचने के बाद बचा हुआ पत्ता एवं डंठल पशुओं के लिए सस्ता एवं पौष्टिक चारा के रूप में प्रयोग कर सकते है जिसमें विटामिन एवं मिनरल भरपूर मात्रा में पाया जाता है जिससे दुधारू पशुओं का दूध बढ़ जाता है कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान फूल गोभी फसलों की खेती के लिए खेत में दो माह पहले फलीदार हरी खाद वाली फसलें उगाए इसके बाद 30 टन गोबर की खाद और वर्मी कंपोस्ट, नीम की खाली के साथ प्रयोग किया जाए तो गोभी वर्गी फसलों की खेती की पैदावार भरपूर मात्रा में होती है यदि गोभी की फसल को किसान भाई अगेती फसल के रूप में लें तो अधिक मुनाफा होगा।यह बात डॉ राजेश राय ने प्रशिक्षण के दौरान कहीं गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने किसानों को बताया कि गोभी के विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किया जाते है यदि समूह की महिलाएं अचार को तैयार कर बाजार में समूह के माध्यम से विक्रय करें तो महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं इस मौके पर प्रशिक्षण के दौरान लगभग 40 किसानों ने प्रशिक्षण में भाग लिया गांव के प्रगतिशील किसान देशराज भारती और राजेश कुमार कठेरिया ने और किसानों को प्रशिक्षण लेने के लिए आग्रह किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 60 कानपुर, सोमवार 28 अगस्त 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सब्जियों की उत्पादन तकनीकी एवं विपणन पर कृषक प्रशिक्षण का समापन।

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम अरशदपुर विकासखंड मैथा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को गोभी वर्गी सब्जियों के उत्पादन तकनीक एवं उसका विपणन विषय पर प्रशिक्षण दिया। उन्होने बताया कि गोभी वर्गीय सब्जी में विशेष कर फूलगोभी एवं पत्ता गोभी का विशिष्ट स्थान है। शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक पोषक तत्व जैसे विटामिन ए एवं सी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट एवं अन्य खनिज पदार्थ की पूर्ति फूलगोभी एवं पत्ता गोभी से हो जाती है।जो संतुलित आहार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि किसान भाई इस फसल की उत्पादन तकनीक को अपनाकर अपनी आमदनी कम लागत में बढ़ा सकते हैं। इस मौके पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को संबोधित किया कि फूलगोभी के फूल को काटकर बेचने के बाद बचा हुआ पत्ता एवं डंठल पशुओं के लिए सस्ता एवं पौष्टिक चारा के रूप में प्रयोग कर सकते है। जिसमें विटामिन एवं मिनरल भरपूर मात्रा में पाया जाता है।जिससे दुधारू पशुओं का दूध बढ़ जाता है। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान फूल गोभी फसलों की खेती के लिए खेत में दो माह पहले फलीदार हरी खाद वाली फसलें उगाए।इसके बाद 30 टन गोबर की खाद और वर्मी कंपोस्ट, नीम की खाली के साथ प्रयोग

किया जाए तो गोभी वर्गी फसलों की खेती की पैदावार भरपूर मात्रा में होती है।यदि गोभी की फसल को किसान भाई अगेती फसल के रूप में लें तो अधिक मुनाफा होगा।यह बात डॉ राजेश राय ने प्रशिक्षण के दौरान कहीं।गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने किसानों को बताया कि गोभी के विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किया जाते है। यदि समूह की महिलाएं अचार को तैयार कर बाजार में समूह के माध्यम से विक्रय करें तो महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं।इस मौके पर प्रशिक्षण के दौरान लगभग 40 किसानों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। गांव के प्रगतिशील किसान देशराज भारती और राजेश कुमार कठेरिया ने और किसानों को प्रशिक्षण लेने के लिए आग्रह किया।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

28,08,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल 9956834016

Top News

पत्रकार जीतेन्द्र सिंह पटेल

एससी एसपी योजना के अंतर्गत तीन दिवसीय गोभी वर्गीय सब्जियों की उत्पादन तकनीकी एवं विपणन पर कृषक प्रशिक्षण का समापन

Reporter

पत्रकार जीतेन्द्र सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम अरशदपुर विकासखंड मैथा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को गोभी वर्गी सब्जियों के उत्पादन तकनीक एवं उसका विपणन विषय पर प्रशिक्षण दिया। उन्होने बताया कि गोभी वर्गीय सब्जी में विशेष कर फूलगोभी एवं पत्ता गोभी का विशिष्ट स्थान है। शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक पोषक तत्व जैसे विटामिन ए एवं सी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट एवं अन्य खनिज पदार्थ की पूर्ति फूलगोभी एवं पत्ता गोभी से हो जाती है।जो संतुलित आहार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। डॉक्टर सिंह ने बताया कि किसान भाई इस फसल की उत्पादन तकनीक को अपनाकर अपनी आमदनी कम लागत में बढ़ा सकते हैं। इस मौके पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को संबोधित किया कि फूलगोभी के फूल को काटकर बेचने के बाद बचा हुआ पत्ता एवं डंठल पशुओं के लिए सस्ता एवं पौष्टिक चारा के रूप में प्रयोग कर सकते है। जिसमें विटामिन एवं मिनरल भरपूर मात्रा में पाया जाता है।जिससे दुधारू पशुओं का दूध बढ़ जाता है। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान फूल गोभी फसलों की खेती के लिए खेत में दो माह पहले फलीदार हरी खाद वाली फसलें उगाए।इसके बाद 30 टन गोबर की खाद और वर्मी कंपोस्ट, नीम की खाली के साथ प्रयोग किया जाए तो गोभी वर्गी फसलों की खेती की पैदावार भरपूर मात्रा में होती है।यदि गोभी की फसल को किसान भाई अगेती फसल के रूप में लें तो अधिक मुनाफा होगा।यह बात डॉ राजेश राय ने प्रशिक्षण के दौरान कहीं।गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने किसानों को बताया कि गोभी के विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किया जाते है। यदि समूह की महिलाएं अचार को तैयार कर बाजार में समूह के माध्यम से विक्रय करें तो महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं।इस मौके पर प्रशिक्षण के दौरान लगभग 40 किसानों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। गांव के प्रगतिशील किसान देशराज भारती और राजेश कुमार कठेरिया ने और किसानों को प्रशिक्षण लेने के लिए आग्रह किया

विटामिन ए, सी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट से भरपूर है फूलगोभी एवं पत्ता गोभी

कार्यक्रम को सम्बोधित करते वैज्ञानिक।

कानपुर, 27 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर की ओर से ग्राम अरशदपुर विकासखंड मैथा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने किसानों को गोभी वर्गी सब्जियों के उत्पादन तकनीक एवं उसका विपणन विषय पर प्रशिक्षण दिया। उन्होने बताया कि गोभी वर्गीय सब्जी में विशेष कर फूलगोभी एवं पत्ता गोभी का विशिष्ट स्थान है। शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक पोषक तत्व जैसे विटामिन ए एवं सी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट एवं अन्य खनिज पदार्थ की पूर्ति फूलगोभी एवं पत्ता गोभी से हो जाती है।जो संतुलित आहार की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। डॉ. सिंह ने बताया कि किसान भाई इस फसल की उत्पादन तकनीक को अपनाकर अपनी आमदनी कम लागत में बढ़ा सकते हैं। इस मौके पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को संबोधित किया कि फूलगोभी के फूल को काटकर बेचने के बाद बचा हुआ पत्ता एवं डंठल पशुओं के लिए सस्ता एवं पौष्टिक चारा के रूप में प्रयोग कर सकते है। जिसमें विटामिन एवं मिनरल भरपूर मात्रा में पाया जाता है।जिससे दुधारू पशुओं का दूध बढ़ जाता है। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने बताया कि किसान फूल गोभी फसलों की खेती के लिए खेत में दो माह पहले फलीदार हरी खाद वाली फसलें उगाए।इसके बाद 30 टन गोबर की खाद और वर्मी कंपोस्ट, नीम की खाली के साथ प्रयोग किया जाए तो गोभी वर्गी फसलों की खेती की पैदावार भरपूर मात्रा में होती है।यदि गोभी की फसल को किसान भाई अगेती फसल के रूप में लें तो अधिक मुनाफा होगा।यह बात डॉ राजेश राय ने प्रशिक्षण के दौरान कहीं। गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी ने किसानों को बताया कि गोभी के विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किया जाते है। यदि समूह की महिलाएं अचार को तैयार कर बाजार में समूह के माध्यम से विक्रय करें तो महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं।इस मौके पर प्रशिक्षण के दौरान लगभग 40 किसानों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। गांव के प्रगतिशील किसान देशराज भारती और राजेश कुमार कठेरिया ने और किसानों को प्रशिक्षण लेने के लिए आग्रह किया

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 28 अगस्त • 2023
www.rashtriyasahara.com

ोभी उत्पादन का किसानों को दिया प्रशिक्षण

र (एसएनबी)। एससी एसपी योजना के अंतर्गत गोभी वर्गीय ों की उत्पादन तकनीकी एवं विपणन पर तीन दिवसीय कृषक ग कार्यक्रम का रविवार को ा हो गया। किसानों से कहा कि वह सही तकनीक कर कम लागत में ज्यादा कमा सकते हैं।

ीएसए कृषि विश्वविद्यालय धीन संचालित कृषि विज्ञान दिलीप नगर द्वारा ग्राम पुर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण रान केंद्र के वैज्ञानिक ण कुमार सिंह ने किसानों को र्गीय सब्जियों के उत्पादन की क एवं उनके विपणन का ग दिया। उन्होंने बताया कि र्गीय सब्जी में विशेषकर फू एवं पत्ता गोभी का विशिष्ट स्थान है। शरीर को बनाये रखने के लिये आवश्यक पोषक तत्व टामिन ए एवं सी, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट एवं अन्य पदार्थ की पूर्ति फूलगोभी एवं पत्ता गोभी से हो । जो संतुलित आहार की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

सीएसए की आयोजित किसान गोष्ठी को संबोधित करते वक्ता।

एससी एसपी योजना के अंतर्गत तीन दिनी प्रशिक्षण शिविर का समापन

ने बताया कि किसान इस फसल की उत्पादन तकनीक को कर अपनी आमदनी कम लागत में बढ़ा सकते हैं। इस मौके पर नन डा.शशिकांत ने किसानों को संबोधित कर कहा कि फूलगोभी के फूल को काटकर वेचने के वाद वचा हुआ पत्ता एवं डंठल पशुओं के लिये सस्ता एवं पौष्टिक चारा के रूप में प्रयोग कर सकते हैं। जिसमें विटामिन एवं मिनरल भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जिससे दुधारू पशुओं का दूध वढ़ जाता है। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डा.खलील खान ने वताया कि किसान फूल गोभी फसलों की खेती के लिये खेत में दो माह पहले फलीदार हरी खाद वाली फसलें उगायें। इसके वाद 30 टन गोवर की खाद और वर्मी कंपोस्ट, नीम की खली के साथ प्रयोग किया जाये तो गोभी वर्गीय फसलों की खेती की पैदावार भरपूर मात्रा में होती है। यदि गोभी की फसल को किसान अगेती फसल के रूप में लें तो अधिक मुनाफा होगा। यह वाद डा.राजेश राय ने प्रशिक्षण के दौरान कही। गृह वैज्ञानिक डा.निमिषा अवस्थी ने किसानों को वताया कि गोभी के विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार किये जाते हैं। यदि समूह की महिलाएं अचार को तैयार कर वाजार में समूह के माध्यम से विक्रय करें तो महिलाएं आत्मनिर्भर वन सकती हैं। इस मौके पर प्रशिक्षण के दौरान लगभग 40 किसान उपस्थित थे। गांव के प्रगतिशील किसान देशराज भारती और राजेश कुमार कठेरिया ने अन्य किसानों से भी प्रशिक्षण लेने का आग्रह किया।

प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यालय के उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में आज अंडर आकांक्षदीप सिंह, सानिध्य शाहिर रहे।

तीन दिवसीय गोभी वर्गीय सब्जियों की उत्पादन तकनीकी एवं विपणन प्रशिक्षण का समापन

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा ग्राम अरशदपुर विकासखंड मैथा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने किसानों को गोभी वर्गी सब्जियों के उत्पादन तकनीक एवं उसका विपणन विषय पर प्रशिक्षण दिया। डॉ सिंह ने बताया कि किसान भाई इस फसल की उत्पादन तकनीक को अपनाकर अपनी आमदनी कम लागत में बढ़ा सकते हैं। इस मौके पर पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने किसानों को संबोधित किया कि फूलगोभी के फूल को काटकर बेचने के बाद बचा हुआ पत्ता एवं डंठल पशुओं के लिए सस्ता एवं पौष्टिक चारा के रूप में प्रयोग कर सकते है। जिसमें विटामिन एवं मिनरल भरपूर मात्रा में पाया जाता है।जिससे दुधारू पशुओं का दूध बढ़ जाता है। कार्यक्रम में मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि किसान फूल गोभी फसलों की खेती के लिए खेत में दो माह पहले फलीदार हरी खाद वाली फसलें उगाए।इसके बाद 30 टन गोबर की खाद और वर्मी कंपोस्टए नीम की खाली के साथ प्रयोग किया जाए तो गोभी वर्गी फसलों की खेती की पैदावार भरपूर मात्रा में होती है। प्रशिक्षण के दौरान लगभग 40 किसानों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।